भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1388
उत्तर देने की तारीख-09/02/2026

झारखंड में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना

†1388. **श्री विष्णु दयाल राम:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन शैक्षणिक वर्षों के दौरान झारखंड राज्य में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) योजना के अंतर्गत सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में नामांकित बालिकाओं की जिला-वार संख्या क्या है;
(ख) उक्त अवधि के दौरान मौलिक शिक्षा (कक्षा 8) और माध्यमिक शिक्षा (कक्षा 12) पूर्ण करने से पहले स्कूल छोड़ने वाली बालिकाओं की संख्या क्या है तथा ऐसे स्कूल छोड़ने के क्या कारण दर्ज किए गए हैं;
(ग) राज्य औसत दर से कम बालिका नामांकन और अवधारण दर वाले जिलों की संख्या सहित प्रभावित स्कूलों की संख्या क्या है; और
(घ) अगले शैक्षणिक वर्ष में इन कम-प्रदर्शन वाले जिलों में नामांकन और अवधारण दर को बढ़ाने हेतु निर्धारित लक्ष्य और आवंटित निधि सहित सरकार द्वारा प्रयुक्त निगरानी तंत्र क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (घ): बाल लिंग अनुपात (सीएसआर) और जीवन चक्र की निरंतरता में लड़कियों और महिलाओं के सशक्तिकरण से संबंधित मामलों का समाधान करने में मदद करने के लिए दिनांक 22 जनवरी 2015 को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) योजना शुरू की गई थी। इस योजना के उद्देश्य लिंग आधारित लिंग चयनात्मक उन्मूलन को रोकना, बालिका के अस्तित्व और सुरक्षा को सुनिश्चित करना और बालिका की शिक्षा और भागीदारी सुनिश्चित करना है।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीओएसईएल), शिक्षा मंत्रालय राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के समन्वय में पूरे देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के सार्वभौमिकरण के लिए स्कूल शिक्षा के लिए एक एकीकृत योजना समग्र शिक्षा योजना को कार्यान्वित कर रहा है। यह स्कूल शिक्षा क्षेत्र के लिए एक व्यापक कार्यक्रम है जो विद्यालय पूर्व से कक्षा 12 तक के लिए है और इसका

उद्देश्य स्कूल शिक्षा के सभी स्तरों पर समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करना है। पिछले तीन शैक्षणिक वर्षों के दौरान झारखंड में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में नामांकित लड़कियों की संख्या (जिलावार) और झारखंड राज्य में पिछले तीन वर्षों के दौरान कक्षा 6-12 से लड़कियों की स्कूल छोडने की दर अनुलग्नक में दी गई है।

शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में है और अधिकांश स्कूल संबंधित राज्य सरकार और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं। झारखंड राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, प्राथमिक कक्षाओं के लिए राज्य औसत प्रतिधारण दर 80.78 प्रतिशत रही, जिसमें बारह जिलों में प्रतिधारण दर राज्य औसत से कम दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त, माध्यमिक कक्षाओं के लिए राज्य औसत प्रतिधारण दर 55.27 प्रतिशत दर्ज की गई, जिसमें चौदह जिलों में प्रतिधारण दर राज्य औसत से कम थी।

समग्र शिक्षा के तहत, लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर को कम करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को लक्षित किया गया है, जिसमें लड़कियों के लिए पहुंच को आसान बनाने के लिए पड़ोस में स्कूल खोलना, कक्षा VIII तक लड़कियों के लिए नि:शुल्क यूनिफॉर्म और पाठ्यपुस्तकें, दूरस्थ/पहाड़ी क्षेत्रों में शिक्षकों के लिए अतिरिक्त शिक्षक और आवासीय क्वार्टर, महिला शिक्षकों सहित अतिरिक्त शिक्षकों की नियुक्ति, कक्षा I से कक्षा VIII तक सीडब्ल्यूएसएन लड़कियों को वजीफा, लड़कियों के लिए अलग शौचालय, लड़कियों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों के संवेदीकरण कार्यक्रम, पाठ्य पुस्तकों सहित लिंग-संवेदनशील शिक्षण-अधिगम की सामग्री आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, स्कूल शिक्षा के सभी स्तरों पर जेंडर अंतर को कम करने के लिए, शिक्षा के रूप में पिछड़े ब्लॉकों में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) स्वीकृत हैं, जो वंचित समूहों जैसे एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक और गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) से संबंधित लड़कियों के लिए कक्षा VI से XII कक्षा तक आवासीय स्कूल हैं।

झारखंड राज्य सरकार ने सूचित किया है कि वर्ष 2026-27 के लिए कम प्रदर्शन करने वाले जिलों में स्कूल छोड़ने की दर को कम करने और प्रतिधारण दर को बढ़ाने के लिए, घर-घर जाकर जनसंख्या सर्वेक्षण, स्कूल जाने वाले अभियान, स्कूल से बाहर बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण, स्कूल में वापसी अभियान, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर कौशल आधारित शिक्षा के लिए बजट बढ़ाया गया है।

*****

अनुलग्नक

'झारखंड में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना' के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री विष्णु दयाल राम द्वारा पूछे गए दिनांक 09.02.2026 के लोकसभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 1388 के भाग (क) से (घ) में उल्लिखित अनुलग्नक

झारखंड के लड़कियों का जिलावार नामांकन (सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त)			
जिला	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**
बोकारो	112760	109984	105284
चतरा	110018	104076	108582
देवघर	146022	145659	148475
धनबाद	139310	132943	131716
दुमका	121536	121624	123949
गढ़वा	133808	129181	135434
गिरिडीह	232967	227316	234810
गोड्डा	129073	130232	136902
गुमला	91633	86752	87040
हजारीबाग	122273	112880	113610
जामताड़ा	72814	71578	74947
खूंटी	44497	43869	43743
कोडरमा	63012	60414	59558
लातेहार	78106	77024	81020
लोहरदगा	47379	47190	46515
पाकुड	96352	98051	100374
पलामू	205889	201238	205882
पश्चिमी सिंहभूम	148483	150451	153436
पूर्वी सिंहभूम	116311	117341	117837
रामगढ़	53383	50779	49530
रांची	164252	156685	156425
साहिबगंज	122517	124351	130999
सरायकेला-खरसावां	78124	75012	73728
सिमडेगा	50044	49868	51341
सभी जिले	2680563	2624498	2671137
स्रोत: यूडाईज़+			

झारखंड में लड़कियों की स्कूल छोड़ने की दर						
	उच्च प्राथमिक (6-8)			**माध्यमिक (9-10)**		
वर्ष	2022-23	2023-24	2024-25	2022-23	2023-24	2024-25
भारत	8.3	5.3	2.9	15.4	12.6	9.6
झारखंड	14.5	8.6	0	25.5	15.1	2.4

*****